

**न्यायपीठ** पुं. (तत्.) प्रशा.राज. 1. न्यायाधीश का पद 2. न्यायाधीश का आसन 3. न्यायालय।

**न्यायप्रिय** वि. (तत्.) 1. जिसे सदैव न्याय अथवा न्याय का पक्ष प्रिय लगता हो 2. सदा न्याय का समर्थन करने वाला (व्यक्ति)।

**न्यायमूर्ति** पुं. (तत्.) प्रशा.राज. 1. न्याय को समर्पित व्यक्ति 2. उच्च अथवा उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की उपाधि।

**न्यायमूलक** वि. (तत्.) 1. न्याय अथवा तर्क पर आश्रित 2. विधि अथवा कानून के अनुसार होने वाला।

**न्यायवाक्य** पुं. (तत्.) तर्क. न्याय प्रक्रिया में प्रयुक्त होने वाला निगमनिक तर्क (अं.) syllogism ऐसी निगमनमूलक तार्किक वाक्य रचना जिसमें एक साध्य-आधारिका तथा एक पक्ष आधारिका के माध्यम से अपेक्षित निष्कर्ष प्राप्त किया जाता है जैसे- 'प्रत्येक गुण प्रशंसनीय होता है (साध्याधारिका वाक्य रचना), दया भी एक गुण है अतः दया प्रशंसनीय है (पक्ष आधारिका वाक्य रचना)।

**न्यायविद्य स्त्री.** (तत्.) न्यायशास्त्र।

**न्यायवैद्यक** पुं. (तत्.) न्यायालयिक विज्ञान, न्यायिक आयुर्विज्ञान, न्यायायुर्विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा जिसका संबंध विधि से है, कानूनी समस्याओं के समाधान में इसका महत्वपूर्ण योगदान होता है। forensic science

**न्यायशास्त्र** पुं. (तत्.) 1. भारतीय दर्शनों में प्रसिद्ध 'न्यायदर्शन' को क्रमबद्धरूप से सर्वागतया प्रस्तुत करने वाला ग्रंथ अथवा शास्त्र, न्यायदर्शन का शास्त्र 2. विधि (कानून) संबंधी विज्ञान अथवा दर्शन का पूर्णतया विवेचन करने वाला शास्त्र, विधि 3. विधि-संग्रह।

**न्यायसंगत** वि. (तत्.) 1. न्याय के अनुसार उचित, न्यायोचित, न्यायसम्मत 2. पक्षपात-विहीन।

**न्यायसभा स्त्री.** (तत्.) इति. वह सभा जहाँ प्राचीन काल में राजा स्वयं अपने सिंहासन पर बैठकर सभी प्रकार के विवादों एवं अभियोगों को सुन समझकर न्यायिक निर्णय देता था।

**न्यायसम्मत** वि. (तत्.) दे. न्यायसंगत।

**न्याय-सूत्र** पुं. (तत्.) दर्श. 1. न्याय दर्शन के आचार्य, महर्षि गौतम द्वारा विरचित न्याय-दर्शन के सूत्र 2. न्याय के सूत्र, न्याय दर्शन के मूल सिद्धांत।

**न्यायाधिकरण** पुं. (तत्.) (न्याय+अधिकरण) किसी विशेष क्षेत्र, विषय अथवा विशेष प्रकार के विवादों के समुचित न्याय के उद्देश्य से सरकार द्वारा गठित विशेष न्यायालय।

**न्यायाधिकार** पुं. (तत्.) (न्याय+अधिकार) इति. न्याय करने या पाने का पूर्ण अधिकार।

**न्यायाधिपति** पुं. (तत्.) न्यायाधीश, न्यायालय का वह अधिकारी जो विवाद-ग्रस्त विषयों पर अपना निर्णय देता है।

**न्यायाधीन** वि. (तत्.) विधि. जिसका निर्णय न हुआ हो, न्यायालय में विचाराधीन, अनिर्णीत।

**न्यायाधीश** पुं. (तत्.) दे. न्यायाधिपति।

**न्यायानुमत** वि. (तत्.) 1. न्याय के अनुरूप, न्यायसम्मत, न्यायोचित 2. विधि अथवा कानून के अनुसार दे. न्यायसंगत।

**न्यायाभास** पुं. (तत्.) 1. मिथ्या न्याय, जो न्याय जैसा प्रतीत होता हो परंतु वास्तव में न्याय न हो दर्श. प्रमाणाभास पर आधारित वह अनुमान जो प्रत्यक्ष तथा शब्द-प्रमाण के विरुद्ध हो।

**न्यायायुर्विज्ञान** पुं. (तत्.) दे. न्यायवैद्यक।

**न्यायालय** पुं. (तत्.) वह स्थान जहाँ बैठकर न्यायाधीश न्याय करता है, कचहरी, अदालत। court

**न्यायालय अवमान** पुं. (तत्.) विधि., राज. न्यायालय के किसी निर्णय की अवहेलना अथवा उपेक्षा करके उसका अपमान अथवा उस निर्णय के विरुद्ध आलोचना या आचरण से होने वाला न्यायालय का अपमान।

**न्यायालय डिक्री स्त्री.** (तत्.+अं.) विधि. प्रशा. न्यायालय द्वारा जारी आज्ञा, आदेश अथवा निर्णय।